



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 640]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 9, 2009/कार्तिक 18, 1931

No. 640]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 9, 2009/KARTIKA 18, 1931

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2009

सा.का.नि. 804(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 के अधिनियम सं. 38) की धारा 3 की उप-धारा (6) और धारा 10 की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, उप-सचिव (पी डी-डब्ल्यू), पोत परिवहन मंत्रालय को निदेशक (इंजीनियरिंग), विकास स्कंध के स्थान पर दिनांक 31-मार्च, 2010 तक कोचीन पत्तन न्यास के न्यासी बोर्ड में न्यासी के रूप में नियुक्त करती है और भारत सरकार के पहले के पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, पोत परिवहन विभाग, पत्तन स्कंध की दिनांक 2 मई, 2008 की अधिसूचना सा.का.नि. सं. 332(अ.) में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“क्रम सं. 6 में उल्लिखित शब्दों, निदेशक (इंजीनियरिंग), विकास स्कंध को उप-सचिव(पी डी-डब्ल्यू) शब्दों से प्रतिस्थापित कर दिया जाए” ।

[फा. सं. पी टी-18011/9/2007-पी टी]

राकेश श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th November, 2009

G.S.R. 804(E).—In exercise of powers conferred by Sub-section (1) read with Sub-section (6) of Section 3 and Sub-section (2) of Section 10 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints Deputy Secretary (PD-W), Ministry of Shipping as a trustee on the Board of Trustees in the Cochin Port Trust vice Director (Engg.) Development Wing, upto 31st March, 2010 and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Shipping, Road Transport and Highway, Department of Shipping (Ports Wing) No. G.S.R. 332 (E), dated 2nd May, 2008 :—

“Against serial number 6 for the words Director (Engineering), Development Wing the words Deputy Secretary (PD-W) shall be substituted”.

[F. No. PT-18011/9/2007-PT]

RAKESH SRIVASTAVA, Jt. Secy.